

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अदालत उपखण्ड अधिकारी भीलवाड़ा मुकाम भीलवाड़ा
 श्री सौहन लाल माली बनाम लखिव नगर विकास नगरपालीक भीलवाड़ा
 मुकदमा 251-A नं. 426 सन् 2022

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
3/11/22	<p>बाद जॉब वाद/प्रार्थना पत्र/ईजराय/अपील पेश हुई. दर्ज रजिस्टर किया जावे। सूचना विपक्षीगणों को जरिये तलवाना के अनुसार जारी हो। पत्रावली दिनांक 30/11/22 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">उपखण्ड अधिकारी भीलवाड़ा</p>	
30/11/22	<p>पत्रावली पेश हुयी उभयपक्ष पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त अवकाश में है। पत्रावली साबिक आदेश दिनांक 13/12/22 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">आदेश से रीडर</p>	
31/1/22	<p>पत्रावली पेश हुई। आज स्थानीय बार एसोसिएशन का कार्य स्थगन किया हुआ है। पीठासीन अधिकारी अन्य राजकीय कार्य में व्यस्त है। पत्रावली साबिक आदेश दिनांक 12/1/23 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">आदेश से रीडर</p>	
12/1/23	<p>पत्रावली पेश हुयी उभयपक्ष पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त अवकाश में है। पत्रावली साबिक आदेश दिनांक 7/2/23 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">आदेश से रीडर</p>	
7/2/23	<p>पत्रावली पेश हुयी उभयपक्ष पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त अवकाश में है। पत्रावली साबिक आदेश दिनांक 14/2/23 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">आदेश से रीडर</p>	

01-07-25 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता (अनुपस्थित)
उत्तरण साहित्य आदेश की पासना में दिनांक
20-08-25 को पेश हो।

20-08-25 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता
उपस्थित। तहसीलदार भीलवाड़ा के
पत्रावली एफ-121/रीडर/2125/150 दिनांक
22-05-25 से रिपोर्ट प्राप्त हुई है।
तहसीलदार भीलवाड़ा की रिपोर्ट अनुसार
ग्राम मालोला की आराजी सं. 491 खोल्ह
खान पिठमदनलाल के नाम दर्ज रिपोर्ट
है। प्रार्थी द्वारा उक्त आराजी में आने-
जाने हेतु आराजी नं. 427 में से रास्ता
चाहा गया है जो प्रार्थी की आराजी
से विपरित दिशा में दुरुस्थ होकर
उत्थी उड़ार से चलान नहीं हो प्रार्थी
अपनी आराजी में उक्त ग्राम नारामपुरा
की अ.स. 487 में से होकर जाता
है। अ.स. 487 की डिहम गेजु
रास्ता होकर नगर निहास न्यास
भीलवाड़ा के नाम दर्ज रिपोर्ट है।
भूमि की अतः प्रार्थी का प्रार्थना
पत्र अन्वयि धारा 251 A रा.वा.
अधिनियम 1955 रास्ता उपलब्ध
होने से स्वार्थि विधा जाता है।
उत्तरण फंशाल सुमार होकर नम्बर
से सुम हो।

Shah
अधिवक्ता
भीलवाड़ा